मिलियन टन प्रति वर्ष है । वर्ष 1990 के अक्तूबर महीने के दौरान कच्चे तेल का देशी उत्पादन 2.558 मिलियन टन था ।

(ख) जी, हां ।

(ग) उपर्युक्त (ख) की दृष्टि से प्रश्न नही उठता ।

केन्द्रीय होम्योपैथी परिषद् में पदाधिकारियों की नियुक्ति

1291. **श्री राम जेठमलानी :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने कई वर्ष पहले केन्द्रीय होम्योपैथी परिषद् का गठन किया था ;

(ख) यदि हां, तो इस परिषद् का गठन कब किया गया था और इस परिषद् के गठन का मुख्य मूल उद्देश्य क्या था ;

(ग) क्या यह भी सच है कि इस परिषद् के पदाधिकारियो का विहित नियमों के अनुसार चुनाव करने के बजाय इसके सभी पदाधिकारियों को मनोनीत किया गया है ;

(घ) यदि हा तो परिषद् के पदाधिकारियों की नियुक्ति निर्वाचन पद्धति से नही करने के क्या कारण है ; और

(ङ) क्या यह भी सच है कि पदाधिकारियों के लम्बे समय तक पद पर बने रहने के कारण उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाये गये हैं ; यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्य हैं और परिषद् में कब तक चुनाव कराए जाने का विचार है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (प्रो० शकीलुर रहमान) : (क) जी, हां ।

(ख) केन्द्रीय होम्योपैथी परिषद् अधिनियम, 1973 की धारा 3 के अनुसार केन्द्रीय होम्योपैथी परिषद् का गठन इस अधिनियम के उद्देश्यों को पूरा करने अर्थात् होम्योपैथी में शिक्षा के न्यूनतम मानक निर्धारित करने, होम्योपैथी के केन्द्रीय रजिस्टर का रखरखाव करने और उससे संबंधित मामले को देखने के लिए मनोनीत सदस्यो सहित अगस्त, 1974 मे किया गया था ।

(ग) केन्द्रीय होम्योपैथी परिषद् अधिनियम, 1973 की धारा 3 के खंड (1) (ग) के उपबंध के अनुसार, यह परिषद् मनोनीत सदस्यो के साथ गठित की गई थी और इस अधिनियम की धारा 11 के अनुसार, अधिकारियो और कर्मचारियों को निर्धारित नियमो के अनुसार नियुक्त किया गया था ।

(घ) धारा 3 के खंड (1) (क) और (ख) के अनुसार गुजरात राज्य और कुछ विश्वविद्यालयों को छोड़कर इस परिषद् के सदस्यो के चयन की प्रक्रिया पूरी हो गई है । चुनिन्दा सदस्यों के नामो को अधिसूचित कर दिया गया है ।

(ङ) इस मंत्रालय मे केन्द्रीय होम्योपैथी परिषद् मे अनियमितताओं के बारे में "राष्ट्रीय मुक्ति मोर्चा" नई दिल्ली से एक ज्ञापन प्राप्त हुआ था और केन्द्रीय होम्योपैथी परिषद् से उस पर पैरावार टिप्पणिया मांगी गई है जिसकी प्रतीक्षा है ।

छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए ऋण दिया जाना

1292. **श्री राम जेठमलानी :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या **मानव संसाधन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि आर्थिक संकट को देखते हुए सरकार छात्रों को अनुदान और छात्रवृत्तियां देने की वर्तमान प्रणाली के स्थान पर